पाठ 20. उपहार

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को यह सीख देना है कि हमारे जीवन में भले ही कितने भी उतार-चढ़ाव अथवा परेशानियाँ क्यों न आएँ, हमें अपनी ईमानदारी नहीं छोड़नी चाहिए। ईमानदारी व्यक्ति का वह गुण होता है जो उसे श्रेष्ठ बनाता है।

पाठ का सारांश

फ़ोन पर एक महिला कारवास्की से उपहार स्वीकार करने का निवेदन करती है। कुछ देर बाद वह महिला एक क्रिसमस ट्री और तीन सौ डॉलर लेकर कारवास्की के सामने उपस्थित हो जाती है। वह महिला लिल मिलर हैं जो 'बड़ा दिन' के अवसर पर किसी ईमानदार तथा सेवा-भावी व्यक्ति को उपहार दिया करती हैं। कारवास्की की कहानी बहुत दुख भरी है। परंतु विपत्ति आने पर भी उसने ईमानदारी का रास्ता नहीं छोड़ा। कारवास्की की आँखों से आँसू निकल पड़ते हैं। यह देखकर लिल मिलर का हृदय पसीज जाता है। वहाँ से चली जाने के बाद लिल मिलर दोबारा कुछ उपहार लेकर आती हैं। कारवास्की लिल मिलर का यह प्यार देखकर आश्चर्यचकित था। धन्य हैं वे लोग जो स्वार्थ में अंधे नहीं होते और प्रलोभनों के आगे नहीं झुकते।

अध्यापन संकेत

पाठ पढ़ाने से पूर्व पाठ की रूपरेखा तैयार करें, जिससे बच्चों को पाठ समझने में आसानी हो। इसके बाद पाठ का आदर्श वाचन करें एवं बच्चों से भी करवाएँ। बच्चों के भीतर ईमानदारी एवं दूसरों की मदद करना जैसे गुणों को जाग्रत करने का प्रयत्न करें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- बच्चों से पूछें कि क्या कभी उन्हें भी किसी की कोई वस्तु रास्ते में पड़ी मिली है। उन्होंने उस वस्तु का क्या किया। अपने पास रख ली या उसके वास्तविक मालिक को लौटा दी या फिर किसी ज़िम्मेदार इनसान को यह कहकर दे दी कि इसके मालिक तक पहुँचा दें।
- बच्चों से पूछें कि क्या कभी किसी अनजान व्यक्ति ने उन्हें कोई उपहार दिया है। तब उनकी उस इनसान के प्रति क्या प्रतिक्रिया रही।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।